International Research Journal of Human Resource and Social Sciences

ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)

Impact Factor 5.414 Volume 5, Issue 10, October 2018

Website- www.aarf.asia, **Email** :editoraarf@gmail.com

ग्रामीण महिलाओं के स□ाक्तिकरण हेतु संचालित महिला समाख्या कार्यक्रम

डॉ0 नि□ाा मिश्रा

x`gfoKku foHkkx] vfLkLVsaV izkQslj]

वि□व भारती फांउडे□ान महिला महाविद्यालय, टेढा, उन्नाव, उत्तर प्रदे□ा।

किसी भी सभ्य समाज की स्थिति उस समाज में स्त्रियों की दशा n[kdj Kkr dh tk ldrh gA स्त्रियों की स्थिति ही वह सपना है, जो समाज का दशा और दिशा को स्पष्ट कर देता है। महिला सशक्तिकरण की बात उठते ही यह चिन्तन आरम्भ होता है कि क्या वास्तव में महिलायें कमजोर है और इनके सशक्तिकरण की आवश्यकता है। प्रकृति ने तो महिलाओं को शारीरिक रूप से पुरुषों की तुलना में ज्यादा प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करके सृष्टि को जन्म देने जैसा मजबूत कार्य सौंप रखा है। महिलाओं में व्याप्त अशिक्षा, अधिकारों के प्रति उदासीनता, आर्थिक निर्भरता, तकनीकी अज्ञानता, स्वास्थ्य के प्रति mnklhurk] lkekftd कुरीतियाँ एवं पुरुषों का महिलाओं पर प्रभुत्व है।

महिला स□ाक्ति की आव□यकता : ikphu Hkkjrh; lekt ls ydj vkt d vk/kfud dky tku oky lekt rd fL=;ka mif{kr gh jgh g। आज भी ग्रामीण महिलाओं में व्याप्त अशिक्षा, अधिकारों के प्रति mnklhurk] vkfFkd&fuHkjrk] rduhdh vKkurk] LokLF; d ifr mnklhurk] lkekftd djhfr;k ,o पुरुषों का महिलाओं पर प्रभुत्व आदि प्रमुख कारणो से महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यd g] ftlds fy, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

महिला स□ाक्तिकरण कार्यक्रम : efgyk सशक्तिकरण हेतु आवश्यक है कि वह स्वयं उन नीतियों ,o ;ktukvk d fuek.k e lgHkkxh gk tk mud fy, cuk;h tk jgh gA Hkkjr d lfo/kku e ekuo अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का प्रत्यक्षण पग–पग पर होता है। मानवीय mY;k] lonukvk dk lj{k.k ,o संवर्धन संविधान के भाग–3 में वर्णित मौलिक अधिकारों से पुष्ट होता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14] 15¼1½] 16¼1½] 19¼1½¼x½¼?k½] 20¼1½] 21] 22] 23] 25¼1½¼[k½] 29¼1½ rFkk 32 ,o blh rjg dN vU;

© Associated Asia Research Foundation (AARF)

A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

भारतीय जनों (महिला एवं पुरुष) को महत्वपूर्ण एवं सर्वोPp ekuoh; eY; lo/ku d vf/kdkj inku djr हैं, जिसने मानव अधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा की अवधारणा का अनुकूलन तथा अनुशीलन सार्थकता को iklr gkrk gA

भारत में महिलाओं से सम्बन्धित समस्याओं की देख–रेख के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन 31 जनवरी, 1992 को राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के अन्तर्गत किया गयkA ;g efgykvk dk शीर्षस्थ संfof/kd fudk; g ;gk efgykvk dh leL;k dk lek] le>k vkj lo/kkfud rjhd l gy किया जाता है। देश की 72 प्रतिशत जनसंख्या गावों में निवास करती है। इसीलिy, xkeh.k fodkl] Hkkjrh; अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत की खुशहाली एवं समृद्धि का रास्ता गाँव की गलियों में से gkdj xtjrk gA egkRek xk/kh dk fopkj Fkk fd & ^^Hkkjr dh ey vkRek xkok e gh fuokl djrh gA** yfdu xkeh.k {k=k dh vkfFkd o lkekftd fLFkfr fdlh l fNih ugh g] D;kfd xkeh.k vk/kkjHkr ढाँचे और संरचनात्मक ढाँचे की स्थिति ठीक नहीं है। इसीलिए ग्रामीण विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। देश की ग्रामीण जनसंख्या में लगभग आधा भाग महिलाओं का है, अतः ग्रामीण विकास में महिलkvk dh vun[kh ugh dh tk ldrh gA Hkkjr e xkeh.k fodkl] jktxkj&lEo/ku o fofHkUu {k=k dh leL;kvk dk gy dju d fy, dbl idkj d dk;Øe lpkfyr fd; tk jg gA

राश्ट्रीय कार्यक्रम :

Lo.k t;Urh xke Lojktxkj ;ktuk % xkok e jgu oky xjhck d fy, Lojktxkj dh ;g ;ktuk 1 अप्रैल, 1999 को प्रारम्भ की गयी। इस योजना की मुख्य विशेषता –

- इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को 50 प्रतिशत, efgykvk dk 40 प्रतिशत एवं विकलांगों को 3 प्रतिशत सहायता देने का लक्ष्य बनाया गया है।
- Lo; lgk;rk legk dh LFkkiuk dk fu.k; fd;k x;k] ftle efgykvk dk ojh;rk inku dh x;h gA

efgyk ,o fl) ;ktuk % महिला सशक्तिकरण वर्ष 2001 में इस योजना की घोषणा केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मन्त्री द्वारा 12 जुलाई 2001 को केन्द्रीय परामर्श समिति की बैठक में की x;hA bl योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं का सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण करना है।

efgyk lek[;k dk;Øe % भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति जो 1986 ई0 में बनी थी कई दृष्टिकोणों से एक ऐसा दस्तावेज है, जिसे मील का पत्थर कह सकते हैं, महिला समाख्या कार्यक्रम की शुरुआत ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति–1986'' के तहत 1987 म हुई थी, जब दो परामर्शियों dk ,d ,lh iord (Pilot) ifj;ktuk

की रूपरेखा तैयार करने को कहा गया जो भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कार्य योजना को Bkl dk; e rCnhy dj ldA ifj;ktuk nLrkot dk igyk ik:i ekp 1988 e ppk d fy, r;kj हुआ। प्रारम्भ में गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के दस चुने हुए जिलों। तीनों प्रदेशों की राजधानियों और नई दिल्ली में सघन चर्चा की शुरुआत की गई। भारत, डच मूल्यांकन के लिए सितम्बर 1988 में तैयार fd;k x;k दस्तावेज इन चर्चाओं का प्रविष्ट था। महिला समाख्या को भारत सरकार द्वारा सितम्बर 1988 में अनुमोदित किया गया और भारत, डच करार पर जुलाई 1989 में हस्ताक्षर किये गये। ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति–1986'' के तहत सन् 1988–89 में उत्तर प्रदेश में हुई तब से अब तक हमारा सफर iMko nj iMko efty dh rjQ c<rk gh tk jgk g vkj vc ;g dk;Øe Hkkjr d uk jkT;k dukVd] xtjkr] vkU/k प्रदेश, केरल, बिहार, असम, झारखण्ड, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में चल रहा है।

महिला समाख्या कार्यक्रम के उद्देश्य :

- शिक्षा द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण vFkkr mudh rkfdd {kerk dk fodkl करना सीधे शब्दों e mud vUnj lgh&xyr] vPN&cj dh le> ink djuk] ftll o viu thou ij vlj Mky jg 0;fDrxr@lkekftd] vkfFkd rFkk jktuhfrd ennk ij loky mBk ld vkj आवश्यकता पड़ने पर जवाब भी दे ldA
- ,d etcr lxBu cukuk] rkfd dkb Hkh efgyk viu vkidk vdyh ;k detkj u le>A
- ljdkj o xko d chp tMko dk dke djukA ftll ljdkjh dk;Øek] uhfr;k ,o ;ktukvk dk efgyk; le> ld vkj mldk ykHk mBk ldA
- efgykvk d chp dke djuk ftll o lkekftd और विशेषकर महिला मुद्दों को पहचान सके rFkk ,dtV gkdj mud ifr vkokt mBk ldA
- महिलाओं व किशोरियों की प्राथमिकताओं में शिक्षा को शामिल करना व जब वे इसके लिए तैयार gk rk mUg lefpr volj ,o lk/ku miyC/k djokukA
- lkekftd cnyko dh ml ifØ;k को शुरू करना जहाँ महिलाओं को सम्मान व समानता सहजता l ikIr gkA

efgyk lek[;k dk <kpk

fp= & 1

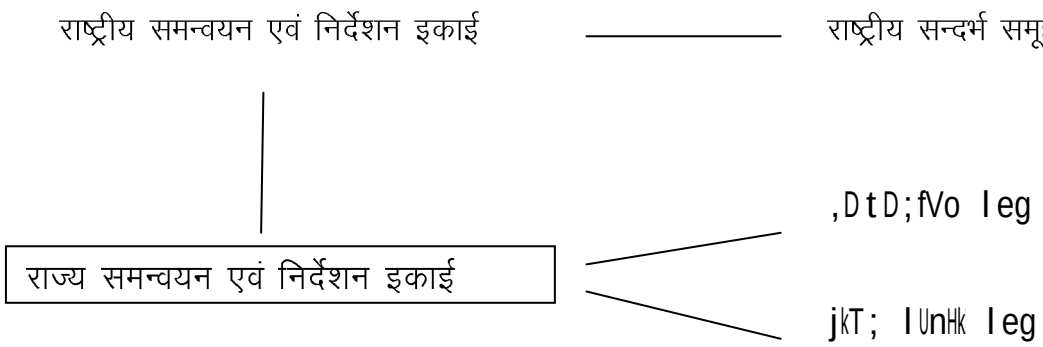

fp= & 2

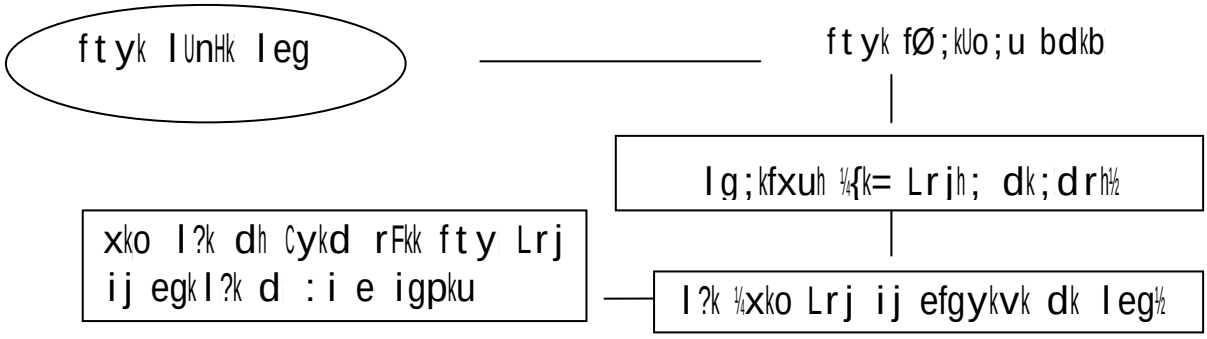

efgyk lek[;k dk;Øe dh etcrh %

- lefir dk;drkA
- कार्यक्रम की दिशा व उद्देश्य पूर्व निर्धारित न होना बल्कि स्वयं संगठनों द्वारा तय fd;k tkuk तथा गतिविधियाँ स्थानीय आवश्यकतानुसार करना।
- ljdkjh gLr{kik dk vHkkoA
- dk; dju ,o fu.k; yu dh Lok;Ùkrk ,o LorU=rkA
- xko dh efgykvk d lg;kx l dk;Øek dh ekuhVfjx] eY;kdu o voykduA
- le; dk c/ku u gkukA

dk;Øe dh e[; LrEHk %

efgyk l?k % संगठन, शक्ति व सुरक्षा की भावना को जन्म देता है। इस भावना से एक ओर tgk महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है वहीं दूसरी ओर सीखने व सिखाने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ होती है।

संगठन की भावना को प्रेरित करने के लिए महिला समाख्या विभिन्न गतिविधियाँ जैसे कार्यशालाओं व प्रशिक्षण शिविरों, विभिन्न अध्ययन यात्राओं, साक्षरता शिविरा vkfn dk vk;ktu efgyk l?kk d ek/;e l djokrh gA ;g efgyk l?k] efgyk lek[;k d fy, ,d ukMy ,tUlh d :i e Hkh dk; djrh g] viuh ftEenkfj;k dk lQyrkiod fuogu dju l bu l?kk e lxBu dh Hkkouk dk fodkl gkrk g एवं इनमें शामिल महिलाएं स्वयं को सशक्त महसूस करती हैं। यह गाँव स्तर का संगठन है।

egkl?k % xkeh.k Lrj ij efgyk l?kk d :i e lxfBr gku ij efgykvk dk {k=h; Lrj ij Hkh Lo; के संगठन की आवश्यकता महसूस हुई, क्योंकि महिलाओं के कई मुद्दे ऐसे थे जिन्हें क्षेत्रीय स्तर पर mBkuk आवश्यक था साथ ही जिनके लिए एक बड़े मंच की आवश्यकता थी। महिला समाख्या की प्रेरणा से iR;d fodkl[k.M Lrj ij efgyk l?kk u feydj egkl?kk dk xBu fd;kA egkl?k e lfEefyr lHkh efgyk l?k dh ifrfuf/k viu l?k dk ifrfuf/kRo djrh gA

egkl?kk dk xBu] efgyk lek[;k dh cfgxeu uhfr ¼,fDtV ikfyl½ dk ifjyf{kr djrh gA समुदाय के विकास अथवा सशक्तिकरण हेतु कोई भी कार्यक्रम समयबद्ध होता है। निश्चित समय पर पूरा gku ij efgyk lek[;k dk Hkh {k= l jky cd djuk gkxk] bl fLFkfr e efgykvk d chp lftr उर्जा का स्तर व महिलाओं द्वारा समाख्या की प्रेरणा से स्वयं के सशक्तिकरण के लिए निर्मित संघ, उसी rjg dk; djr jgA bld fy, egkl?kk dk fuek.k ,d nh?kxkeh lkp dk ifj.kke gA lkp ;g g fd efgyk egkl?k ,d Lok;Ùk lLFkk d :i e {k= dh efgykvk d ennk dk mfpr epk ij mBkr jgx] {k=h; Lrj ij efgyk ennk gr U;k; d fy, ncko leg d :i e dk; djx o efgykvk d mRFkku o tkxfr d fy, lHkh lEHko lkrk l Hkh LFkkfir djxA

कि ोरी संघ : 12 से 18 वर्ष की किशोरियों को किश kkjh l?k d ek/;e l viu 0;kid ennk dk mBku d fy, ifjr fd;k tkrk g tgk mUg fcuk jkd] pi djk; ;k nck; viuh ckr dgu dh vktknh feyA mudh ifrHkkvk ,o x.kk dk fu[kju d fy, Hkh mud lkFk vud xfrfof/k;k dk lpkyu fd;k tkrk gA किशोरी संघों सम्बन्धी प्रयास है –

- किशोरियों का शिक्षा व अक्षर ज्ञान देना।
- किशोरियों को पारिवारिक जीवन शिक्षा का प्रशिक्षण देना।
- किशोरियों के साथ स्वास्थ्य सम्बन्धी चर्चायें करना।

- lkekftd ennk dk igpkuuk] le>uk ,o cहस करके निष्कर्ष निकालना, दकियाluh ,o efgyk fojk/kh jhfr&fjokt k] 0;ogkjk dk igpkuuk rFkk lfEefyr ;ktuk cukdj mud fo#) dne mBkukA mnkgj.kkFk cky fookg] xfM;k ihVu tl fjokt k d fo#) dk; djukA
- किशोरी संघों द्वारा बच्चो ंको पढ़ाना तथा उनके नामांकन एवं विभिन्न प्रकाशना e enn djukA

महिला f□ाक्षण केन्द्र : ये किशोरियाँ ही कल के महिला संघों व महासंघों की सदस्य होगी। महिला समाख्या महिला सशक्तिकरण की प्राथमिक शर्त के रूप में शिक्षा को देखती है। राज्य के ग्रामीण परिवेश में सभी किशोरियों की संख्या बहुत अधिक है ftUg ;k rk Ldy ugh Hkt k x;k ;k fdUgh dkj.kk d pyr उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। इस प्रकार की किशोरियों में ज्ञान का संचार हो इसके लिए महिला समाख्या ने विकास खण्ड स्तर पर महिला शिक्षण केन्द्रों की स्थापना की है। यह एक प्रकार के आवासीय विद्यालय है, tgk Mrop आउट व निरक्षर किशोरियों की शिक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। इन शिक्षण केन्द्रों में विशेष रूप से यह ध्यान रखा गया है कि केन्द्र का वातावरण इस प्रकार हो कि यहाँ आयी किशोरियाँ स्वयं के जीवन में शिक्षा को अपनी प्राथमिक आवश्यकता मानें।

efgyk lek[;k dk;{k= e: lpkfyr xfrfof/k;k %

लिंग संवेदन□ीलता सम्बन्धी कार्यक्रम : efgyk lek[;k ,d fyx vk/kkfjr dk;Øe g ftldk उद्देश्य यह है कि समाज में महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता का वातावरण तैयार हो। समाज में महिलाओं d ifr lekurk o lEeku dh lgt Hkkouk dk fodkl gk bld fy, efgyk lek[;k }kjk u doy महिलाओं के साथ अपितु पुरुषों के साथ भी लिंग संवेदनशीलता हेतु बैठकें, प्रशिक्षण, कार्यशालायें आदि xfrfof/k;k vk;kftr dh tkrh gA

f□ाक्षा के प्रचार–प्रसार सम्बन्धी कार्यक्रम : महिला समाख्या की कार्य प्रक्रिया में f{kk dk 0;kid दृष्टिकोण से देखा गया है। केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नहीं है, अपितु जीवनोपयोगी जानकारियाँ जो महिलाओं के व्यक्तित्व को समाज में स्वतन्त्र अस्तित्व के रूप में स्थापित करती है शिक्षा के अन्तर्गत आती है। अतः शिक्षा को प्रेरित करने वाली गतिविधियाँ जैसे lk{kjrk dEi] uDdM ukVd] tRFkk vkfn गतिविधियाँ नियमित रूप से किशोरियों तथा महिलाओंk d lkFk vk;kftr dh tkrh gA

LokLF; lEcU/kh dk;Øe % efgyk lek[;k }kjk l?kk o egkl?kk dh lnL;kvk dk LokLF; lEcU/kh] विशेषकर महिला स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिये जाते हैं। गाँव स्तर पर जिस प्रकार की स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध है। वे पूरी तरह महिलाओं के प्रति असंवेदनशील है इसलिए यह आवश्यकता egll dh x;h fd bl Lrj ij efgykvk d LokLF; dk /;ku e j[kr g, ,d odfYid 0;oLFkk dk

fuek.k fd;k tkuk pkfg,A lek[;k }kjk viu dk; {k=k e xke Lrj ij ikjLifjd Kku d vk/kkj ij efgyk dfUnr LokLF; 0;oLFkkvk dk fuek.k fd;k tkrk gA dk;Øe vkPNkfnr xko e ,d Kkuh efgyk dk fpfUgr fd;k tkrk g] tk viu Kku dk mi;kx dj efgykvk d LokLF; dh n[k&j[k dj jgh gA LokLF; d ifr tkx#drk ,o tkudkjh ink dju gr &

- vke cBd vk;kftr djuk]
- cBdk d ek/;e l ituu] LokLF; tkp d rjhdk] jkxk dh tkudkjh nuk rFkk LokLF;

  dUnk dh LFkkiuk djukA
- ?kjy mipkj] i;kx fl) tMh&cfV;k }kjk ikjEifjd mipkj dh tkudkfj;k nukA
- नई तथा परम्परागत दाइयों को सुरक्षित प्रसव सम्बन्धी प्रशिक्षण देना।
- ogr स्तरीय स्वास्थ्य शिविर/स्वास्थ्य मेला आदि का निरन्तर आयोजन करना।
- ljdkjh LokLF; lokvk dk xko rd igpku dk ik;kl djuk pkfg,A LokLF; 0;oLFkkvk

  rd ykxk dh igp cukukA

ipk;r lEcU/kh dk;Øe % ipk;rh jkt ,o xke Lrj l ydj fty Lrj rd efgykvk dk fu.k; yu dh ifØ;k e viuh vge Hkfedk fuHkku gr volj miyC/k djokrk gA efgyk lek[;k bl महिला सशक्तिकरण एवं समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखती है। स्वशासन के हर Lrj ij efgykvk dh Hkkxhnkjh dk ikRlkfgr dju d fy,] xke DyLVj] Cykd ,o tuin Lrj ij ipk;rh jkt ij vud ppkओं, प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं व बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

i;koj.k tkx#drk lEcU/kh dk;Øe % efgyk,] idfr d lkFk viuk thou 0;rhr djrh gA LFkkuh; i;koj.k e gh jg ifjoruk dk lh/kk vlj efgyk d thou ij iMrk g bl rF; dk Lohdkj djr हुए महिला समाख्या संध की महिलाओं व किशोरी संघ की सदस्याओं को पर्यावरणीय सन्तुलन एवं प्राकृतिक परस्परता पर उनकी क्षमतावर्धन हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण देती है। अपने–अपने गाँव व Ldyk e i;koj.k Dyck dk xBu fd;k gA efgykvk }kjk i;koj.k tl txy dh vkx] ?kkl dh dVkb bR;kfn dk cpku d fy, ;ktuk cukuk o lxfBr gkdj i;kl djuk rFkk ck;kMkbcjflVh dh vkj c<ukA ou ipk;rk dk fuek.k djukA

- पर्यावरण क्लबों का निर्माण तथा बच्चों एवं किशोर–किशोरियों को पर्यावरण सम्बन्धी शिक्षा प्रदान djukA
- erh vkUnkyu fookg d le; uofookfgrk dk ek;d ,o lljky e iM yxku rFkk mudh n[kHkky dju gr ifjr djukA
- le;≤ ij o{kkjki.k dk;Øe vk;kftr djukA

ukjh vnkyr ¼dkuuh tkx#drk½ lEcU/kh dk;Øe % tkudkjh] tkx#drk o lk/kuk d vHkkok e efgला इस पुरुष प्रधान समाज में अपने समस्त अधिकारों को पाने में असमर्थ रही है। महिला संघ की lnL;kvk dk mud dkuuh vf/kdkjk dh tkudkjh nu gr efgyk lek[;k vud dkuuh lk{kjrk शिविरों, कार्यशालाओं व प्रशिक्षणों का आयोजन करती है। कानून की जानकारh d ifj.kkeLo:i efgyk; viu xko e mBu oky ennk e gLr{ki dju yxh o /khj&/khj mUg ly>ku Hkh yxhA l?k efgykvk द्वारा शीघ्र व निष्पक्ष मुद्दे सुलझाने के प्रभाव से धीरे–धीरे इन समूहों ने अनौपचारिक अदालत का रूप ले fy;k ftl ^ukjh vnkyr* d uke l tkuk tkrk gA

नारी अदालत की वि□ोशताएँ :

- यह एक ऐसा मंच है जहाँ पर शोषित व पीड़ित 0;fDr dh leL;kvk dk lek/kku ukjhoknh दृष्टिकोण से किया जाता है।
- tfVy dkuuh ifØ;k dk u viukdj cfYd ljy o 0;ofLFkr ifØ;k }kjk leL;k dk lek/kku fd;k tkrk gA
- कम से कम समय में मुद्दे का निपटारा निःशुल्क किया जाता है।
- L=h d lEeku o xfjek dk /;ku e j[kr g, mldh ifjfLFkfr;k d ifji{; e Qly fn;k tkrk gA

vkfFkd vkRe fuHkjrk lEcU/kh dk;Øe %

आर्थिक रूप से घर के पुरुष सदस्यों पर निर्भरता, महिलाओं के व्यक्तित्व व आत्मविश्वास को प्रभावित करती रही है। महिलाओं को सशक्त करने के क्रम में यह आवश्यक है कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर cuk;k tk;A efgyk l?kk d vUrxr] Lo; lgk;rk legk dk xBu dj mUg vkfFkd xfrfof/k;k l tkMk tk;A l?k dh efgलाओं द्वारा प्रत्येक महीने कुछ धनराशि इन समूहों में जमा की जाती है जिसका उपयोग आन्तरिक ऋण प्रणाली के द्वारा किया जाता है। महिलाओं में व्यावसायिक दृष्टिकोण का विकास हो

इसके लिए महिला संघों के साथ अनेक कार्यशालायें भी आयोजित की जाती है। महिलाओं को vkfFkd :i से सशक्त बनाने के लिए किये जा रहे प्रयास –

- ifjokj e mud ;kxnku o /ku[kp dju ij fu;U=.k d ifr mue tkx#drk ink djukA
- ekx dju ij cpr legk d fuek.k e enn djukA
- रोजगार करने हेतु प्रोत्साहित करना व मदद करना। विशेषकर सामूहिक jktxkj tl&VV] dVfjx] Hkktu 0;oLFkk] vpkj] ejCck cukuk vkfnA efgykvk lek[;k dk;Øe dk ikjEHk ,d cgn y{; dk /;ku e j[kdj fd;k x;kA

निश्कर्श :निष्कर्ष रूप से हम कह सकते हैं कि महिला समाख्या कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण का एक सफल कार्यक्रम है। यg dk;Øe ikjEHk e ,d Pilot ifj;ktuk d :i e doy एक राज्य में प्रारम्भ किया गया। प्रारम्भ में यह कार्यक्रम केवल पाँच वर्ष के लिये शुरू किया गया, लेकिन आज यह कार्यक्रम भारत के कई राज्यों में शुरू किया गया है और यह निरन्तर अपने उद्देश्य की ओर vxlj gA efgला समाख्या कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बना रहा है।

lUnHk xUFk&lph %

कुमार, कमलेश (2007)	%	Hkkjr dh tutkrh; efgyk;] ^d#{k=* vd ekp 2007] xkeh.k fodkl e=kky;] ub fnYyhA
xkre] uhjt dekj ¼2009½	%	xkeh.k fodkl e efgykvk dk ;kxnku ^d#{k=*] vd ekp] xkeh.k fodkl e=ky;] ub fnYyhA
f=ikBh] dle ¼2007½	%	महिला, दशा और दिशा, कुरुक्षेत्र, अंक मार्च 2007, xkeh.k fodkl e=ky;] ub fnYyhA
noijk] irkiey ¼2008½%		eहिला सशक्तिकरण में शिक्षा का महत्व, क#{k=] vd ekp] xkeh.k e=ky;] ub fnYyhA
foey] vkuUn flg dkMku ,o flg ujUn ¼2010½	%	ipk;rhjkज और महिला सशक्तिकरण, कुरुक्षे=] vd tu 2010] xkeh.k e=ky;] ub fnYyhA

डॉ0 सिंह, ओमप्रकाश (2010) : उत्तर भारत में महिलाओं के सशाDrdj.k gr lpkfyr efgyk समाख्या कार्यक्रम का समालोचनात्मक अध्ययन, शोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

वार्षिक रिपोर्ट (2005–2006) % efgyk lek[;k] m0i0] y[kuÅA